केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 168 शनिवार 11 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

फार्मर रजिस्ट्री में तेजी लाने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । एग्रीस्टैक (डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर) के अन्तर्गत फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित अधिकारी व सीएससी संचालक विशेष रूचि लेकर अपेक्षित प्रगति करना सुनिश्चित करें, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता ना बरती जाय। उन्होने यह भी कहा कि प्रतिदिन ब्लाक व तहसीलवार समीक्षा की जायेंगी। उन्होने बीडीओ, एडीओ पंचायत, कोटेदार को भी निर्देशित किया है कि अपेक्षित सहयोग प्रदान करें। उन्होने सीएससी संचालको को निर्देशित किया कि प्रतिदिन कम से कम 30 व्यक्तियों का फार्मर रजिस्ट्री तैयार करना सुनिश्चित करें। किसी भी तकनीकी समस्या हेतु सीएससी मैनेजर राहुल सिंह, मो.नं. –7217723771 से सम्पर्क करें।

उन्होने यह भी कहा कि जो सीएससी संचालक अपेक्षित सहयोग नही करेंगे, तो उनका आईडी डीएक्टीवेट कराने की कार्यवाही की जायेंगी। मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने बताया कि जनपद में कुल 390347 फार्मर रजिस्ट्री तैयार होनी है, जिसमें से अब तक 74507 कृषको का फार्मर रजिस्ट्री तैयार हो गया है। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, उप जिलाधिकारी शाहिद अहमद, विनोद पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, ईडीएम सौरभ द्विवेदी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी तथा सीएससी संचालक सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

वाल्टरगंज में व्यापारियों का आन्दोलन जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रेलवे प्रशासन की ओर से वॉल्टरगंज कस्बे में ध्वस्तीकरण की कारवाई के लिए दिए गए नोटिस को लेकर दुकानदार व कस्बावासी लामबंद हो गए हैं। दुकानों को बचाने के लिए लोगों ने गुरुवार से गोविंदनगर बचाओ आंदोलन शुरू किया है। रेलवे की ओर से 11 जनवरी से बुलडोजर लगाकर सड़क की दुकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। धरने की सूचना पर एसडीएम सदर शत्रुध्‍न पाठक वाल्टरगंज कस्बे में पहुंचे, धरनारत लोगों से वार्ता कर न्याय का आश्वासन दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने भी धरना स्थल पर पहुंचकर सहयोग का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्रवाई नहीं होने का आश्वासन मिलने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वाल्टरगंज कस्बे में सड़क के किनारे मौजूद दुकानों को अपनी जमीन बताकर रेलवे प्रशासन ने 100 से ज्यादा दुकानदारों व घरवालों को नोटिस जारी किया है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि यहां से पुराना नाला गुजरता है, जिस पर अतिक्रमण कर निर्माण करा लिया गया है। अनाधिकृत रूप से बने इन दुकानों व मकानों को 11 जनवरी से ढहाने की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने बुधवार को डीएम को ज्ञापन देकर हस्तक्षेप की मांग की थी, लेकिन आरोप है कि जिला प्रशासन की ओर से इसमें कोई रूचि नहीं ली जा रही है। प्रशासन के अधिकारी अब यह कहकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं कि रेलवे की कार्रवाई में उनकी ओर से सहयोग नहीं दिया जाएगा। एसडीएम सदर ने लोगों से दोबारा जमीन के रिकार्ड की जांच कराए जाने की बात कही है, लेकिन इसका असर आंदोलनकारियों पर नहीं पड़ा है।

विरोध–प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रधान प्रतिनिधि अमरनाथ चौधरी ने बताया की हर हाल में दुकानें टूटने नहीं देंगे। कागज में हुई गलती की सजा बाजार वासियों को नहीं मिलनी चाहिए। राजपूत करणी सेना के पूर्वांचल अध्यक्ष यशवंत सिंह ने कहा की बाजार में 100 साल से भी ज्यादा पुराने घर व दुकानें हैं। रेलवे इनके रोजगार व आशियाना छीन रही है।

मुस्लिम लीग की मानसिकता से नहीं चलेगा देश–योगी

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ मेला क्षेत्र में निरीक्षण करने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ संभल में हो रही खुदाई पर बड़ा बयान दिया। संभल की जामा मस्जिद को लेकर सीएम योगी ने बोले, कुछ लोगों ने संभल जिले से अधिक की जमीन को वक्फ बोर्ड की जमीन बताई है जबकि संभल में इतनी जमीन ही नहीं है। हमारे पुराणों में पांच हजार वर्ष पहले से ही उल्लेख है कि संभल में हरि विष्णु का दसवां अवतार कलकी के रूप में होगा। संभल में आज जो भी देखने को मिल रहा है, वह सभी सनातन धर्म से जुड़ा हुआ है। महाकुंभ मेले में एक निजी टीवी चौनल को दिए इंटरव्यू में सीएम योगी ने कहा कि 5 हजार वर्ष पहले धरती पर इस्लाम नहीं था। उस समय केवल सनातन धर्म ही था। उस समय जब इस्लाम था ही नहीं तो जामा मस्जिद का उल्लेख कैसे होगा।

आइन–ए–अकबरी कहती है कि 1526 में श्री हरि विष्णु मंदिर को तोड़कर ढांचा खड़ा किया गया है। इस गलती को स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्हें खुद से दे देना चाहिए। ये देश मुस्लिम लीग की मानसिकता से नहीं चलेगा, भारत की आस्था के अनुरूप चलेगा। हमने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया है। आइन–ए–अकबरी कहता है कि वर्ष 1528 में अयोध्या में रामजन्म भूमि पर भगवान रामलला के मंदिर को तोड़कर एक ढांचा खड़ा किया गया था। ये सारे काम मीरबाकी ने किये हैं। ये जो भी चीजें हुई हैं, उस पर अगर हिंदू आस्था आग्रह करती है, तो सुना जाना चाहिए।

सीएम ने पूजा स्थल कानून के रिव्यू पर बोले, मुझे लगता है कि माननीय न्यायालय उसको देख रहा है और देखेगा भी। आस्था का जरूर सम्मान होगा।

ग्राम प्रधान पर जान से मारने की धमकी देने का आरोपः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के हरदिया निवासी राम कुवेर पुत्र स्वर्गीय बनारसी चौधरी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। भेजे पत्र में राम कुवेर ने कहा है कि ग्राम पंचायत हर्दिया बुर्जुग के ग्राम प्रधान विजय प्रकाश प्लाटिंग की जमीन को मनरेगा मजदूरी दिखाकर फर्जी भुगतान ले रहे थे। कुछ पत्रकारों के सवाल पूंछने पर उन्होने सच्चाई बता दिया तो ग्राम प्रधान विजय प्रकाश उनसे काफी नाराज हो गये और गत 9 जनवरी को घर पर चढ आये और उसे लात घूसों से मारते पीटते हुये जान से मार देने की धमकी दिया। ग्राम प्रधान ने कहा कि तुम्हारे बयान के कारण मेरा तीन लाख रूपये का नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कर दो वरना अंजाम बहुत बुरा होगा।

ग्राम प्रधान की धमकी से डरे राम कुवेर ने एसपी से अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये ग्राम प्रधान के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाने की गुहार लगाया है।

जीवित को दिखा दिया मृत, रूक गई पेंशन, ज्ञापन देकर किया पेंशन शुरू कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–बिजली विभाग का निजीकरण हुआ तो आन्दोलन 17 से– आर.के. आरतियन

बस्ती । भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने दो मुद्दों को लेकर राज्यपाल और जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, बहुजन मुक्ति पार्टी, राष्ट्रीय किसान मोर्चा द्वारा राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि बिजली विभाग यूपीपीसीएल का निजीकरण न किया जाय। यदि निजीकरण हुआ तो इसके विरोध में 17 जनवरी से धरना प्रदर्शन किया जायेगा। जबकि डीएम को सम्बोधित ज्ञापन में कहा गया है कि गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पतिला के पिपरा गोसाई निवासी वयोवृद्ध छोटू पुत्र अछैवर को मृतक दिखाकर आख्या दे दी गई जिसके कारण उनकी वृद्धावस्था पेंशन बंद हो गयी। उसे सही कराकर पेंशन जारी कराया जाय। यदि एक सप्ताह के भीतर इसे सुधारा न गया तो मोर्चा आन्दोलन को बाध्य होगा।

ज्ञापन देने के बाद भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि गौर विकास खण्ड के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा बिना जांच पड़ताल के जीवित को मृतक दिखा दिये जाने के कारण पिपरा गोसाई निवासी वयोवृद्ध छोटू पुत्र अछैवर की पेंशन बंद हो गई। वृद्धावस्था में पेंशन ही उनका सहारा था। मांग किया कि विभागीय स्तर पर जांच कराकर पेंशन शुरू कराया जाय अन्यथा मोर्चा आन्दोलन को बाध्य होगा। इसकी कड़ी में आर.के. आरतियन ने कहा कि बिजली विभाग के निजीकरण का निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार इसे वापस ले, यदि ऐसा न हुआ तो मोर्चा आन्दोलन को बाध्य होगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से ठाकुर प्रेम नंदवंशी ,कृपा शंकर चौधरी, सीताराम भारती, राम सुमेर यादव, एडवोकेट भूपेंद्र चौधरी, प्रदीप चौधरी, सुग्रीव चौधरी, डा. रिफाकत अली,धर्मेंद्र चौधरी, बुद्धेश राणा, यार मोहम्मद, पंचलाल आदि शामिल रहे।

खनन अधिकारी, ड्राइबर और गार्ड पर नशे में अकारण मारने पीटने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के मड़वानगर निवासी क्रिश चौधरी पुत्र धर्मेन्द्र चौधरी उर्फ नितराम चौधरी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में क्रिश चौधरी ने कहा है कि 9 जनवरी की रात्रि में लगभग 10 बजे जब वह अपने खेत की रखवाली करके लौट रहा था तो किराये का मकान लेकर रहने वाले खनन अधिकारी प्रशान्त यादव, उनका ड्राइबर लाल बहादुर और गार्ड राधेश्याम जो नशे में धुत थे उसे रोका और बोलोरो गाडी में रखे राड डण्डे से बुरी तरह से मारा पीटा। यही नहीं उसकी मोबाइल, मोटर साईकिल यू.पी. 51 बी.सी. 9339 छीन लिया। जब उसके पिता धर्मेन्द्र चौधरी उर्फ नितराम चौधरी मौके पर पहुंचे तो उन्हें भी गाली देकर धमकी दिया।

एसपी को दिये पत्र में क्रिश चौधरी ने कहा है कि उसने कोतवाली थाने को दिया वहां से उन्हें पुलिस चौकी भेज दिया गया और चौकी पर दूसरे दिन सुबह बुलाया गया। पुलिस ने अभी तक इस मामले में न तो चोटों का मेडिकल कराया और न तो मुकदमा ही दर्ज किया गया है। उसने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई और अपनी सुरक्षा की मांग किया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिये 58 दावेदार प्रदेश परिषद सदस्य के लिए भरे गए 18 पर्चे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भाजपा जिलाध्यक्ष पद और प्रदेश परिषद पद के लिए अनेक कार्यकर्ताओं ने दावेदारी भरी। जिलाध्यक्ष के लिये 58 दावेदार और प्रदेश परिषद सदस्य के लिये 18 पर्चे भरे गये। भाजपा पार्टी कार्यालय पर नामांकन पत्र जमा किए गए। चुनाव अधिकारी दो दिन से बस्ती में मौजूद रहे। उन्हीं के समक्ष दावेदारी पत्र दाखिल किए गए।

संगठनात्मक पर्व के तहत जिलाध्यक्ष व प्रदेश परिषद सदस्य के निर्वाचन के लिए भाजपा जिला कार्यालय पर प्रदेश मन्त्री व जिला चुनाव अधिकारी शंकर लाल लोधी व जिला पर्यवेक्षक सुरेन्द्र सिंह ओढे की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष के चयन के लिए व्यवस्थित ढंग से प्रक्रिया चली। इसको लेकर शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल किए गये।

शुक्रवार सुबह 10 से दोपहर 12रू30 तक नामांकन पत्र दाखिल किए गये, इस दौरान पार्टी के नेताओं ने नामांकन पत्र भरे 10 बजे से ही नामांकन पत्र भरने के लिए नेताओं की पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था और वह जिला निर्वाचन अधिकारी के कक्ष में जाकर अपने अपने नामांकन पत्र दाखिल कर रहे थे। नामांकन पत्र भरे जाने के चलते जिलाध्यक्ष पद की दावेदार अपने समर्थकों के साथ पार्टी कार्यालय पहुँच रहे थे और उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल किया। जिन लोगों ने जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया है। उसमे वर्तमान जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, देवेन्द्र सिंह, चन्द्र शेखर मुन्ना, डा रोली सिंह, प्रमोद पाण्डेय, दिवाकर मिश्र, वीरेन्द्र गौतम, कुंवर आनन्द सिंह, अनूप खरे, गोपेश्वर त्रिपाठी, दिलीप कुमार पाण्डेय, आशा सिंह, अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, शैल जायसवाल, प्रीती श्रीवास्तव, बाबूराम भारती सहित 58 लोगो के नाम शामिल है।

जिला चुनाव अधिकारी शंकर लाल लोधी ने कहा कि भाजपा में संगठन चुनाव एक पर्व की तरह मनाया जाता है। अभी तक संगठनात्मक चुनाव के तहत बूथ अध्यक्षों व मण्डल अध्यक्षों में घोषित किए जा चुके है। बाकी बचे मण्डल अध्यक्ष की घोषणा जिलाध्यक्ष की घोषणा के बाद ही संभव हो पाएगी।

पर्यवेक्षक सुरेन्द्र सिंह ओढे ने जानकारी देते हुए बताया कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से जिला अध्यक्ष व प्रदेश परिषद पद की नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। जिसमें जिलाध्यक्ष पद के लिए ब्राह्मण वर्ग से 18 नामांकन, क्षत्रिय वर्ग से 2 महिला समेत 11 नामांकन, कायस्थ वर्ग से 1 महिला सहित 4 नामांकन, वैश्य समाज से 1 महिला समेत 6 नामांकन, ओबीसी वर्ग से 10 नामांकन, अनुसूचित वर्ग से 7 नामांकन व अनुसूचित जन जाति समाज से 2 नामांकन भरे गए। वहीं प्रदेश परिषद सदस्य के लिए ब्राह्मण वर्ग से 8 नामांकन, क्षत्रिय वर्ग से 3 नामांकन, ओबीसी वर्ग से 6 तथा कायस्थ वर्ग से 1 नामांकन हुआ है।

मेरी जोखिम उठाने की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ- मोदी

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार किसी पॉडकास्ट में हिस्सा लिया है। जीरोधा के सह–संस्थापक निखिल कामत ने पॉडकास्ट में उनसे बातचीत की। इस बातचीत में पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने अभी तक अपने जोखिम उठाने की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बताया कि उनके पास रिस्क लेने की क्षमता बहुत अधिक है। इसी के साथ उन्होंने उन्होंने एक किस्सा सुनाया। यह किस्सा उस समय का है जब पीएम मोदी आरएसएस में काम करते थे और गाड़ी चलाना सीख रहे थे। ढलान देखकर उन्होंने गाड़ी का इंजन बंद कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि ढलान में गाड़ी खुद ही नीचे चली जाएगी और इंजन बंद करने से पेट्रोल की बचट होगी।

पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे ज्ञान नहीं था, गाड़ी असंतुलित होने लगी और तेजी से नीचे की जाने लगी। मैं ब्रेक लगाने लगा, लेकिन गाड़ी का इंजन बंद था। मेरे बगल वालों को भी मालूम नहीं चला कि मैंने क्या किया।' उन्होंने आगे बताया कि अनुभवों से सिखने का मौका मिलता है। अनुभवों से ही जिंदगी सवरती है।

पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने कभी किसी कंफर्ट जोन में जिंदगी नहीं बिताई। हमेशा कंफर्ट जोन के बाहर ही रहे, इसलिए उन्हें मालूम है कि कहां कैसे जिंदगी गुजारनी है। उन्होंने खुद को कंफर्ट जोन के लिए अनफिट बताया। पीएम मोदी ने कहा, ष्अगर एक उद्योगपति भी कंफर्ट जोन से बाहर नहीं आता है तो उसका कंफर्ट जोन का लेवल अलग होगा। एक समय के बाद वह खत्म हो जाएगा उसको अपने कंफर्ट जोन से बाहर आना ही पड़ेगा।`

प्रयागराज में 9 रूपये में मिलेगा भोजन

प्रयागराज (आभा)। में महाकुम्भ मेले के शुरू होने से पहले शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सामुदायिक रसोई 'मां की रसोई' का उद्घाटन किया, जिसमें मात्र नौ रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा कि सामुदायिक रसोई का संचालन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए, नंदी सेवा संस्थान द्वारा स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में किया जाता है। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने अस्पताल का दौरा किया, जहां उन्होंने 'मां की रसोई' का उद्घाटन किया और व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा उपस्थित लोगों को भोजन परोसा।

सरकार ने कहा, श्नंदी सेवा संस्थान ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सहायता के लिए यह पहल शुरू की है। मात्र नौ रुपये में लोगों को भोजन मिल सकेगा।

बाल श्रम रोकने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-धर्म के नाम पर मासूमों का उत्पीड़न बंद हो-साधू शरन आर्य

बस्ती । भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने शुक्रवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया है कि देश में बाल श्रम नियमों का खुला उल्लंघन कर बालकों और बेटियों से बाल श्रम कराया जा रहा है। चाय की दूकानों, होटलों व अधिकारियों, सम्पन्न लोगों के घरों तक में मासूम बच्चे काम करते मिल जायेंगे। पढने लिखने की उम्र में देश के लाखों बच्चों का बचपन श्रम करते हुये बीत रहा है। सड़कों के आस पास कई बच्चे कूडा बीनते मिल जाते हैं। इस पर तंत्र पूरी तरह से चुप्पी साधे हुये हैं। यही नहीं ईट भट्टों तक पर बाल मजदूरी कराया जाना आम बात है।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में साधू शरन आर्य ने कहा है कि साधु संतों का धर्म है कि वे भी नियम कानूनों का पालन करें और यदि कोई बालक, बालिका को उनके परिजन स्वेच्छा से साधू, सन्यासी बनवाना चाहते हो तो उसे कम से कम बालिग होने तक रोका जाय।

साधू शरन आर्य ने कहा कि एक समय था जब लोग संकट के समय खुद को बेच देते थे। बड़े प्रयासों के बाद इस पर कुछ अंकुश जरूर लगा किन्तु अब तरीके बदल गये हैं। प्रयागराज के कुंभ मेले में एक दम्पत्ति संदी सिंह धाकडे और रीमा ने अपनी अव्यस्क पुत्री राखी को जूना अखाड़े को दान कर दिया। यह समाचार विचलित कर देने वाला है। एक तरह से दम्पत्ति ने अपनी ही पुत्री के मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन किया है। अच्छा हो कि जूना अखाडा स्वयं राखी को उसके माता पिता के सुपुर्द कर दे। यदि राखी सन्यासिनी बनने की इच्छुक भी हो तो भी बालिग होने तक प्रतीक्षा किया जाय। मांग किया कि प्रदेश सरकार इसे संज्ञान में ले और बाल श्रम एवं उत्पीड़न रोकने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये।

ज्ञापन सौंपने वालों में अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर, भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, भारतीय बौद्ध महासभा के मण्डल अध्यक्ष राम शंकर निराला, हेमन्त कुमार, सन्त कुमार, राम कुमार, का. रामलौट आदि शामिल रहे।

किसान जागरूकता सम्मेलन में दिया नैनो यूरिया, नैनो डीएपी की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-सहकारी संघ चिलमा परसन के कार्यालय का उद्घाटन
-वैज्ञानिक ढंग से खेती किसानी पर जोर

बस्ती । शुक्रवार को दुबौलिया बाजार के रामविवाह मैदान में किसान जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता आशीष श्रीवास्तव ने सहकारी संघ चिलमा परसन के कार्यालय का उद्घाटन करते हुये कहा कि किसानों का भविष्य सहकारिता के साथ ही उज्जवल होगा। किसान जागरूकता सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये जिला कृषि अधिकारी बाबूराम मौर्या ने इस बात पर जोर दिया कि किसान नवीनतम तकनीकों का उपयोग करें, इससे श्रम, समय की बचत होने के साथ ही लागत में भी कमी आयेगी और किसानों का मुनाफा बढेगा। उन्होने किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि किसानों के लिये नैनो यूरिया और नैनो डीएपी वरदान है। अब बड़े बोरों में खाद ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि किसानों को नवीनतम वैज्ञानिक तकनीक से खेती करना चाहिये। देश में किसानों की सुविधा के लिये वैज्ञानिकों ने अनेक मशीन और संसाधन विकसित किये हैं वे जब खेत खलिहान तक पहुंचेंगे तो किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

किसान जागरूकता सम्मेलन के संयोजक एवं सहकारी संघ चिलमा परसन के अध्यक्ष बाबूराम सिंह ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुये कहा कि कडाके की ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति से और बेहतर कार्य करने का उत्साह बढा है। कहा कि नवीनतम तकनीकों को खेत तक ले जाने के लिये ऐसे सम्मेलन आवश्यक है।

किसान जागरूकता सम्मेलन में इफको गोरखपुर के क्षेत्रीय प्रबन्धक कौशिक चन्द्र पाण्डेय, कृषि वैज्ञानिक डा. आर.बी. सिंह ने किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग और लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये किसानों के प्रश्नों का समुचित उत्तर दिया। कार्यक्रम में राम शंकर यादव, शुभम विश्वकर्मा, राजकुमार आदि ने किसानों को वैज्ञानिक ढंग से खेती किसानी की जानकारी दिया। सम्मेलन की अध्यक्षता जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय और संचालन बाबूराम सिंह ने किया। सम्मेलन में मुख्य रूप से अनिल सिंह, हरिलाल सिंह, माता प्रसाद पाण्डेय, संतोष सिंह, हरिश्चंद्र सिंह, विनय सिंह, जसवंत सिंह, हीरा सिंह, सुनील सिंह , संजीव सिंह, अरुण, अजय, सुरेन्द्र सिंह, रिंकू, राज बहादुर सिंह, मातिबर सिंह, डा. कृष्ण प्रसाद मिश्रा, दयाशंकर चौधरी, लल्लू सिंह, विजय शंकर सिंह, तीर्थराज सिंह, दुर्गाविजय सिंह, किरन देवी, आशा, शीला सिंह, महिमा सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 जनवरी 2025 शनिवार

सम्पादकीय

ऑन लाइन झूठ का विस्तार

संयुक्त राज्य अमेरिका में निरंकुश व दक्षिणपंथी रुझान के अगुवा डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से पहले की जा रही उग्र बयानबाजी से पूरी दुनिया में हलचल है। अब चाहे कनाडा को अमेरिका में मिलाने का उनका दावा हो या ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर प्रभुत्व का बयान। लेकिन शेष दुनिया के लिये चिंता की बात यह है कि निष्पक्ष वैचारिक स्वतंत्रता के पक्षधर होने का दावा कर रहे अमेरिका संचालित बहुचर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ट्रंप के निरंकुश व्यवहार से गहरे तक प्रभावित हो रहे हैं। लंबे समय तक ट्रंप से वैचारिक टकराव मोल लेने वाले अमेरिका से संचालित मेटा ने ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। मेटा ने अपने उस तथ्य जांच कार्यक्रम से हाथ खींचने का फैसला किया है जो ऑनलाइन गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। निश्चित रूप से सूचना की विश्वसनीयता के लिये निर्धारित व्यवस्था के खत्म होने से ऑनलाइन झूठ व दुष्प्रचार के खिलाफ वैश्विक अभियान को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले आया है। ट्रंप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रंप आरोप लगाते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी आवाज को सेंसर किया जाता रहा है। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि उनके इस निर्णय की मुख्य प्रेरणा मुक्त अभिव्यक्ति को प्रश्रय देना है। उनकी इस दलील से कतई सहमत नहीं हुआ जा सकता। दरअसल, अमेरिका में दक्षिणपंथी रुझानों वाला ऐसा वर्ग भी है जो सोशल मीडिया पर सूचना सामग्री में किसी भी हस्तक्षेप का विरोध करता है। जिसके चलते फर्जी खबरों के कारण विवादों की श्रृंखला को जन्म मिल सकता है।

बहरहाल, आशंका जतायी जा रही है कि तथ्यों की जांच की व्यवस्था समाप्त करने से झूठ और अफवाहों का तंत्र कालांतर कानून व्यवस्था के लिये भी बड़ी चुनौती बन सकता है। जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की सूचनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे। मेटा के इस कदम के बाद अन्य सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म भी दबाव में ऐसे कदम उठा सकते हैं। वैसे राष्ट्रपति का पद संभालने जा रहे ट्रंप से खराब रिश्ते सुधारने हेतु मार्क जुकरबर्ग का कदम व्यावसायिक दृष्टि से तो समझ में आ सकता है, लेकिन सोशल मीडिया पर सूचनाओं की दृष्टि से यह एक गैरजिम्मेदार कदम है। जो दुनिया में विश्वसनीयता व सूचना अखंडता के लिये अच्छा संकेत नहीं है। विडंबना ही है कि सूचना सामग्री को मॉडरेट करने के लिये पेशेवर तथ्य–जांचकर्ताओं पर भरोसा करने के बजाय मेटा एक्स के रास्ते पर जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण ही है। पहले जांच–पड़ताल करके दी जाने वाली पोस्ट पाठकों व दर्शकों का भरोसा जगाती थी कि सूचना सामग्री विश्वसनीय है। लेकिन अब इस नियमन में ढील के निहितार्थों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। आशंका है कि अब फेसबुक, इंस्टाग्राम व थ्रेड्स पर गलत सूचनाओं को नियंत्रित करना संभव नहीं हो पाएगा। जिससे ऑनलाइन झूठ को बढ़ावा मिल सकता है। खासकर भारत के संदर्भ में देखें तो नफरत फैलाने वाले भाषण न केवल लोगों तक विश्वसनीय जानकारी की पहुंच को कमजोर कर सकते हैं बल्कि लोगों की राजनीतिक नेताओं का सामना करने की क्षमता को भी कमजोर कर सकते हैं। हम विगत में देखते रहे हैं कि 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' की धारणा लगातार गलत तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करती रही है। इतिहास को तोड़–मरोड़ कर पेश करती है। जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को खुली छूट देने के नुकसान को ही दर्शाती है। यदि झूठ की जहरीली बाढ़ को कम नहीं किया गया तो इसका समाज पर घातक असर पड़ सकता है। ऐसे में सामाजिक समरसता व शांति के लिये अधिक तथ्य जांचकर्ताओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है। निश्चय ही जांच की व्यवस्था न होने का मतलब है शून्य जवाबदेही और झूठ व गलत सूचना फैलाने का खुला निमंत्रण।

मिल्कीपुर सीट पर योगी और अखिलेश के सियासी दांव

–अजय कुमार–

मिल्कीपुर सीट पर वोटिंग की तारीख के ऐलान के साथ ही, यूपी सरकार ने इस उपचुनाव के लिए अपनी पूरी मंत्रिमंडल टीम को सक्रिय कर दिया है। सात प्रमुख मंत्रियों को मिल्कीपुर के विभिन्न वर्गों को साधने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। यह उपचुनाव 5 फरवरी 2025 को आयोजित होगा, जबकि मतगणना 8 फरवरी 2025 को होगी। इस चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्मिशन मिल्कीपुरश के तहत पूरी ताकत झोंक दी है, क्योंकि यह सीट उनके लिए विशेष महत्व रखती है। अयोध्या में लोकसभा चुनाव 2024 में मिली हार के बाद, योगी आदित्यनाथ ने इस उपचुनाव को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ते हुए सपा के खिलाफ अपने राजनीतिक प्रभाव को मजबूत करने की रणनीति तैयार की है।

मिल्कीपुर सीट पर वोटिंग की तारीख के ऐलान के साथ ही, यूपी सरकार ने इस उपचुनाव के लिए अपनी पूरी मंत्रिमंडल टीम को सक्रिय कर दिया है। सात प्रमुख मंत्रियों को मिल्कीपुर के विभिन्न वर्गों को साधने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, खेल मंत्री गिरीशचंद्र यादव, स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, सतीश चंद्र शर्मा, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और जेपीएस राठौर शामिल हैं। ये सभी मंत्री बूथ स्तर पर बैठकें कर वोट बैंक को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने इस उपचुनाव में किसी भी प्रकार की चूक से बचने के लिए पूरी रणनीति तैयार की है। वह किसी भी कीमत पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी पार्टी इस सीट पर जीत दर्ज करे।

मिल्कीपुर की यह सीट योगी के लिए न केवल एक चुनावी चुनौती है, बल्कि एक प्रतिष्ठा का सवाल भी बन चुकी है। इस सीट को लेकर उनकी चिंता इस हद तक बढ़ गई है कि उन्होंने महाकुंभ की तैयारियों के बावजूद मिल्कीपुर का पांचवीं बार दौरा किया है। इस दौरान सीएम योगी ने प्रभारी मंत्रियों और संगठन पदाधिकारियों को बूथ मजबूत करने और मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने का संदेश दिया। योगी की यह सक्रियता इस बात का संकेत है कि वह इस उपचुनाव को लेकर कितने गंभीर हैं और उनकी सरकार इसे अपनी प्रतिष्ठा से जोड़कर देख रही है।

समाजवादी पार्टी के लिए भी यह उपचुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। मिल्कीपुर सीट समाजवादी पार्टी का गढ़ रही है, और इस सीट पर भाजपा के खिलाफ सपा ने अपनी राजनीतिक ताकत को स्थापित किया है। सपा के लिए यह चुनौती इसलिए और भी कठिन हो जाती है, क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 सीटों में से 37 सीटों पर सपा ने जीत दर्ज की थी। हालांकि, नवंबर 2024 में हुए उपचुनाव में सपा को निराशा हाथ लगी थी, जहां पार्टी केवल 2 सीटों पर ही जीत हासिल कर सकी थी। ऐसे में मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव में सपा अपने प्रतिष्ठा की लड़ाई लड़ रही है।

मिल्कीपुर सीट छह महीने से रिक्त पड़ी है, क्योंकि सपा के विधायक अवधेश प्रसाद ने 13 जून, 2024 को इस्तीफा दे दिया था। 12 दिसंबर को उनके इस्तीफे को छह महीने पूरे हो गए थे, जिसके बाद चुनाव आयोग ने उपचुनाव की तारीख का ऐलान किया है। इससे पहले, चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था, लेकिन मिल्कीपुर सीट का मामला अदालत में विचाराधीन था, जिसके कारण इस सीट पर उपचुनाव की तारीख नहीं घोषित हो पाई थी।

मिल्कीपुर के पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ ने 2022 में इस सीट से सपा के विधायक अवधेश प्रसाद के चुनाव को उनके नामांकन पत्रों में विसंगतियों का हवाला देते हुए चुनौती दी थी। हालांकि, चुनाव याचिका को वापस लेने के बाद यह मामला अब तक लंबित था। अब चुनाव आयोग ने इस सीट पर उपचुनाव की तारीख तय कर दी है, और राजनीतिक दलों के लिए यह लड़ाई और भी रोमांचक होने वाली है।

लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु एक रहस्य

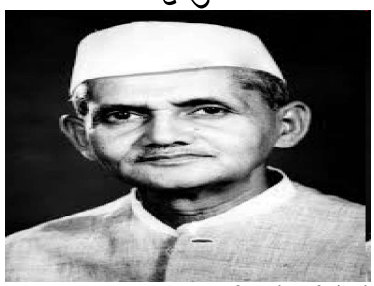

–डा0 राजेश कुमार शर्मा–

ताशकंद में लाल बहादुर शास्त्री की मौत अचानक नही हुई और उनकी मौत अब भी रहस्य के घेरे में है। सिद्धान्त और मत कई है, सवाल कई है लेकिन ये सभी इस मौत पर से पर्दा हटाने में मददगार नही है। नवीनतम मत भारत की परमाणु उपलब्धि से डरे अमेरिका को लेकर तैयार हुई है। लेकिन अब भी सवाल यही है कि क्या वाकई शास्त्री जी की मौत के पीछे कोई साजिश है। ऐसा इसलिए क्योंकि आज भी लोग मानने के लिए तैयार नही है कि उनकी मृत्यु प्राकृतिक रूप से दिल का दौरा पडने से हुई। आखिर क्या हुआ था ताशकंद में, वो तीन–चार घण्टे के गुजरे वक्त की गुत्थी और क्यों उलझ गई?

11 जनवरी 1966, रात के करीब दो बजे थे। दिल्ली में न्यूज एजेन्सी से खबर अखबारों के दफ्तर पहुँची और अखबारों की प्रिन्टिग को तुरन्त रोक दिया गया। प्रिन्टिग पर लगी इस रोक का सम्बन्ध 1570 कि0मी0 दूर घटी भारत को दहला देने वाली एक बडी घटना से था। तात्कालीन सोबियत संघ के ताशकंद में हुये एक ऐतिहासिक समझौते को हुये अभी चन्द ही घंटे बीते थे और इस ऐतिहासिक समझौते के सबसे मजबूत स्तम्भ भारत के तात्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। सवाल यह था कि 1965 के जंग में पाकिस्तान के ऐतिहासिक हार ने जिन्हे नेशलन हीरों बना दिया था, कुछ घंटो पहले ही जिन्होने इतिहास रचा, उनके निधन की वजह क्या थी? आकाशवाणी से लेकर समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के जरिए बताया गया कि प्रधानमंत्री शास्त्री जी का निधन दिल का दौरा पडने से हुआ है लेकिन यह मौत बाद में एक रहस्य बन गई क्योंकि यह कोई नही जानता कि ताशकन्द के जिस होटल में लाल बहादुर शास्त्री रूके थे वहॉ आधी रात के बाद क्या हुआ था ? ये सवाल संसद में भी उठा और संसदीय कमेटी ने भी इसकी जॉच की लेकिन रहस्य गहराता रहा और दशकों से इस मौत पर पडा पर्दा नही हट सका। नतीजा यह हुआ कि निधन के बाद बनी सरकारों ने भी इस मामले में गोपनीयता बरती लेकिन सवालों के पहाडों को छॉटा नही जा सका। सवाल यह है कि अगर शास्त्री जी का निधन दिल का दौरा पडने से हुआ तो फिर उनकी मौत के दस्तावेज गोपनीय और संवेदनशील क्यों है ? अगर मौत प्राकृतिक है तो फिर भारत सरकार कूटनीतिक रिश्तों का हवाला क्यों देती रही ? क्या शास्त्रीजी के निधन में कोई पेंच है तो वह पेंच क्या है? जिन्होने सवालों का दायरा बढा दिया है।

शुरूआत 1966 में उठे सवालों से करने पर पता चलता है कि सन्देह तब भी था और अब यह सन्देह और ज्यादा गहराया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि जिस वक्त शास्त्री जी का निधन हुआ उस समय कुलदीप नैयर बतौर शास्त्री जी के मिडिया एडवाइजर के रूप में उनके साथ मौजूद थे। दोनों अलग–अलग होटल में रूके थे। हालॉकि उन्हे ताशकन्द में कुछ भी संदिग्ध नही लगा। लेकिन दिल्ली पहुँचने पर शास्त्री जी की पत्नी के दो सवालों ने उन्हे चौका दिया। सवाल थे – शास्त्री जी की मौत दिल का दौरा पडने से हुई तो उनके शरीर पर चोट के निशान कैसे पडे ? हालॉकि उस वक्त मामला उतना नही गरमाया लेकिन दिल्ली में अपनाई गई प्रक्रिया से पूरा केस संदिग्ध हो गया। पत्नी और उनके परिवार के सदस्यों को उनके मौत पर सन्देह था। वावजूद इसके दिल्ली में शास्त्रीजी के शव का पोस्टमार्टम तक नही हुआ। आखिर देश के प्रधानमंत्री की मौत के बाद इतनी जल्दबाजी क्यों की गई ? क्या वाकई इस मौत के पीछे कोई साजिश थी? सवाल इसलिए क्योंकि मौत का यह सस्पेंस अब ज्यादा गहरा गया है जिसका मूल कारण सी0आईए0 के एजेण्ट का साक्षात्कार लेने वाले पत्रकार जी0 डगलस का दावा है। डगलस ने शास्त्री जी के मौत के पीछे सी0आईए0 की भूमिका बताई है। हालॉकि सस्पेंस गहराने वाली यह दास्तान बिल्कुल नई है लेकिन इसमें दम लगता है। अनसुलझी मौत की गुत्थी भारत और मास्को की गुप्त दस्तावेजों में दब कर रह गई और उम्मीद है कि उसमें मौत की वजह दर्ज हो सकती है। हालिया वर्षों में अब इस मौत के कारणों का खुलासा अमेरिका से हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के परमाणु विज्ञान की उपलब्धियों से अमेरिका में डर का माहौल था इसलिए अमेरिका ने ही भारत के परमाणु कार्यक्रम को कमजोर करने के लिए साजिश रची और हत्याकाण्ड को सी0आईए0 के एजेन्ट ने अंजाम तक पहॅुचाया यानि जो सस्पेंस अब तक बना हुआ था वह और भी गहरा हो गया। इस थ्योरी पर शोध करने से और भी लिंक जुडते है जो सी0आईए0 वाले खुलासे को मजबूत करते है क्योंकि परमाणु विज्ञान की उपलब्धि से जुडी हस्ती की मौत भी तकरीबन उसी वक्त हुई थी और उस शख्सियत का नाम था डा0 होमी जहॉगीर भाभा। भारत के परमाणु वैज्ञानिक डा0 होमी जहॉगीर भाभा की मौत हवाई दुर्घटना में हुई थी। शास्त्री जी और भाभा की मौत में सिर्फ तेरह दिन का अन्तर था। इसके अलावा शास्त्रीजी की मौत के दो प्रत्यक्षदर्शियों की मौत भी इस रहस्य को गहराती है। दरअसल लाल बहादुर शास्त्री जी की मौत जिस रात होटल में हुई वहॉ उनके साथ सिर्फ दो लोग मौजूद थे। जिनमें एक थे डा0 आर0 एन0 चूक और दूसरे शास्त्रीजी के निजी कर्मचारी रामनाथ। लेकिन डा0 आर0एन0 चूक जॉच समिति के सामने पेश होते, इसके पहले ही ट्रक की टक्कर से उनकी मौत हो गई। वही शास्त्रीजी के निजी कर्मचारी रामनाथ की भी एक दुर्धटना में याददाश्त चली गई। अब हो सकता है सी0आईए0 एजेण्ट के इन्टरव्यू से जुडा खुलासा ही लाल बहादुर शास्त्री की मौत पर गहराया सस्पेंस से जुडा सबसे बडा राज हो लेकिन सच यही है कि अब भी शास्त्रीजी की मौत का रहस्य सुलझाने का दावा नही किया जा सकता क्योंकि न तो जॉच फाइलें खुली और न ही कूटनीतिक दायरे में इस जॉच को विस्तार दिया गया। तो क्या शास्त्रीजी की मौत वाकई प्राकृतिक नही थी ? क्या शरीर पर मिले निशान और शरीर का रंग नीला होने का सम्बन्ध भारत के परमाणु कार्यक्रम से जुडा था?

लाल बहादुर शास्त्री ने ताशकंद दौरे से वापस लौटने के बाद एक बडे खुलासे का दावा भी किया था। लेकिन ताशकंद समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के महज 12 घंटे बाद ही 11 जनवरी 1966 को रहस्यमयी हालात में उनकी मौत हो गई। दावा किया जाता है कि ये खुलासा अमर सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस से जुडा था। बोस की मौत से बडा सस्पेंस शायद ही दुनिया में किसी नेता के साथ जुडा हो। तो क्या वाकई शास्त्रीजी को पता था कि सुभाष बाबू के साथ क्या हुआ था। कुल मिलाकर ऐसा प्रतीत होता है कि डा0 होमी जहॉगीर भाभा के परमाणु कार्यक्रम और लाल बहादुर शास्त्री जी के तार आपस में जुडे है जिसपर अभी शोध और अनुसंधान तथा गहन जॉच करने की आवश्यकता है।

नया वायरस और चीन में जीवन

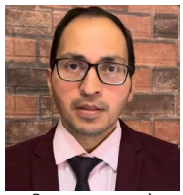

–अनिल आजाद पाण्डेय–

शायद बाहर के देशों में लोगों को लग रहा है कि चीन शायद कुछ छिपा रहा है। लेकिन यह भी हकीकत है कि अगर कोई नया या खतरनाक वायरस फैल रहा होता तो यहां लोगों की गतिविधियों से उसका आभास हो जाता। उसके प्रसार को रोकने के लिए सरकार की ओर से कुछ तो कदम उठाए जाते। लेकिन चीन में अभी तक ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है।

साल 2020 की शुरुआत में फैली कोरोना महामारी ने दुनियाभर के लोगों का सुख–चैन छीन लिया था। बड़ी मुश्किल से लोग इस खतरनाक वायरस के चंगुल से बाहर निकलने में कामयाब रहे हैं। लेकिन अब उनके मन में फिर से भय का माहौल व्याप्त होने लगा है। इस बार भी चर्चा का केंद्र भारत का पड़ोसी देश चीन ही बना है। इसकी वजह एचएमपीवी नामक एक वायरस के प्रसार को बताया जा रहा है। विशेषकर भारतीय मीडिया में चीन की जो खबरें पेश की जा रही हैं, वो बेहद डराने वाली हैं। कहा जा रहा है कि चीन में स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी है और अस्पतालों में लोगों को बेड नहीं मिल पा रहे हैं। इस नए वायरस से लगातार लोगों की मौत हो रही है, यहां तक कि शवदाह गृहों में भी जगह नहीं बची है। इस तरह से चीन में हाहाकार मचा हुआ है। भारत में इस तरह के समाचारों को देखने और पढ़ने के बाद आम नागरिक सहम गए हैं। उन्हें अपनी जिंदगी और रोजी–रोटी का डर अभी से सताने लगा है। क्योंकि कोविड–19 के वायरस की भयावहता को लोगों ने झेला है, ऐसे में डरने की वजह भी है। इस दौरान इस वायरस से संबंधित कुछ मामले भारत में भी सामने आ चुके हैं। मीडिया में चल रहीं इन सनसनीखेज और खौफनाक खबरों की हकीकत क्या है। क्या सच में चीन की धरती पर एक और वायरस फैल रहा है, क्या यह भारत और दुनिया के लिए खतरे की घंटी है।

दरअसल, चीन में इन दिनों सर्दी का मौसम है और उत्तर व उत्तर–पूर्वी इलाकों में पारा शून्य से नीचे चल रहा है। ऐसे में इस सीजन में आमतौर पर लोग सर्दी, जुकाम व खांसी आदि से पीड़ित रहते हैं। बच्चों और बुजुर्गों को भी जुकाम, बुखार होना सामान्य बात है। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ा–सा अलग है। पिछले कुछ हफ्तों से चीन में एचएमपीवी यानी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या में काफी इजाफा देखने में आया है। लोग सिरदर्द, थकान, सांस लेने में दिक्कत और मांसपेशियों में दर्द आदि की शिकायत कर रहे हैं। विशेषकर छोटे बच्चों में इस इन्फ्लुएंजा का ज्यादा असर दिख रहा है। जाहिर है कि बच्चों का इम्यून सिस्टम उतना मजबूत नहीं होता, ऐसे में वे इस वायरस से जल्दी संक्रमित हो रहे हैं। लेकिन वे पांच–सात दिनों के भीतर स्वस्थ हो जा रहे हैं। कुछ लोग अस्पतालों में जाने के बाद दवा लेकर ठीक हो गए हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या पहले की तुलना में ज्यादा तो है, लेकिन इमरजेंसी या डराने वाले हालात बिलकुल नहीं हैं। हालांकि कमजोर और संवेदनशील लोगों की स्थिति थोड़ा गंभीर होने की आशंका है। बावजूद इसके घबराने वाली कोई बात नहीं है। कोरोना के उलट यहां स्थानीय लोग कोई बचाव के खास उपाय भी नहीं कर रहे हैं।

इस वायरस के प्रसार के बीच चीन का माहौल बेहद सामान्य है। चीन की राजधानी बीजिंग में लोग इस फ्लू से पीड़ित तो हैं लेकिन शहर में कहीं कोई पाबंदी नहीं है। एक जगह से दूसरी जगह जाने या घूमने–फिरने पर कोई बंदिश नहीं है। लोग पहले की तरह सामान्य रूप से अपने दैनिक कार्य कर रहे हैं। स्कूलों और दफ्तरों में सब कुछ नार्मल चल रहा है। आमतौर पर लोग कोई विशेष सावधानी या सतर्कता नहीं बरत रहे हैं और रोज ऑफिस व बाजार जा रहे हैं। कर्मचारी लोग भी नियमित रूप से अपने ऑफिस जा रहे हैं। हां, इक्का–दुक्का लोग मास्क जरूर पहने हुए रहते हैं जो अक्सर यहां लोग करते हैं। उधर बाजारों और मॉलों में लोगों की भारी भीड़ है, वे सामान्य रूप से शॉपिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि पार्कों में लोग मार्निंग या इवनिंग वॉक के अलावा व्यायाम कर रहे हैं। जिम और योगा सेंटर पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रहे हैं। अभी हाल में ही क्रिसमस और नए साल के दौरान चीन के विभिन्न शहरों में संगीत कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। 31 दिसंबर की रात को तमाम रंगारंग कार्यक्रमों में लोगों की जबरदस्त भीड़ देखी गयी।

शायद बाहर के देशों में लोगों को लग रहा है कि चीन शायद कुछ छिपा रहा है। लेकिन यह भी हकीकत है कि अगर कोई नया या खतरनाक वायरस फैल रहा होता तो यहां लोगों की गतिविधियों से उसका आभास हो जाता। उसके प्रसार को रोकने के लिए सरकार की ओर से कुछ तो कदम उठाए जाते। लेकिन चीन में अभी तक ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। बीजिंग के अलावा वाणिज्यिक राजधानी शंघाई और अन्य बड़े शहरों में भी रेल, हवाई और सड़क यातायात निर्धारित रूप से चल रहा है। लोगों की कोई जांच या हेल्थ कोड स्कैन नहीं किये जा रहे हैं। इससे साफ हो जाता है कि यह एक सामान्य प्रकार का वायरस है, जो इन दिनों फैल रहा है। जिससे संक्रमित लोग आसानी से ठीक हो जा रहे हैं।

वहीं चीन सरकार ने स्वीकार किया है कि देश में एचएमपीवी का प्रसार हो रहा है। उसके मुताबिक एच1एन1 प्रकार के इन्फ्लुएंजा ए के मामलों में हाल के दिनों इजाफा हुआ है। यह फ्लू इन दिनों अपने पीक पर पहुंच चुका है। जबकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि एचएमपीवी का ठंड के दिनों में फैलना आश्चर्य की बात नहीं है। यह पहले से मौजूद वायरस है, जो वर्ष 2001 में पहली बार हालैंड में पाया गया था। और यह समय–समय पर लोगों को संक्रमित करता रहता है। हालांकि बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बूढ़े लोगों को इससे सावधान रहने की आवश्यकता है। क्योंकि यह सामान्य फ्लू से कुछ ज्यादा असर दिखाता है, जिससे उबरने में कुछ दिन लग जाते हैं। पर यह कोई महामारी का रूप नहीं है और इससे आमतौर पर लोगों की मौत नहीं होती है। हां भीड़–भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने और सतर्क रहने की सलाह जरूर लोगों की दी जा रही है। ऐसे में कहा जा सकता है कि चीन में कुछ भी असामान्य नहीं चल रहा है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है और अफवाहों पर ध्यान न दें।

वैसे लेखक कोरोना महामारी के दौरान भी चीन में ही मौजूद थे और चीन में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए चल रहे सख्त उपायों को नजदीक से देखा। तब कोविड–19 का वायरस बहुत तेजी से फैल रहा था, जिसके कारण चीन व अन्य देशों में लॉकडाउन और लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया गया था। शुरुआत में भारत ने चीन व अन्य देशों से आने वाली फ्लाइट्स के यात्रियों की जांच की और उन्हें क्वारंटीन में रखा गया। लेकिन कुछ समय बाद चीन ने नियंत्रण के उपाय अपनाने शुरू कर दिए, जिसमें दूसरे देशों से आने वाले यात्री विमानों पर रोक लगायी गयी। हालांकि अब चीन की अन्य देशों के साथ सीधी हवाई यात्रा बहाल हो चुकी है। लेकिन भारत और चीन के बीच पिछले लगभग चार सालों से कोई सीधी उड़ान नहीं है, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि एचएमपीवी का कोई नया और जानलेवा स्ट्रेन सामने नहीं आएगा और लोगों के जीवन में कोई बड़ी बाधा पैदा नहीं होगी।–लेखक चीन स्थित सीजीटीएन में डेढ़ दशक से कार्यरत वरिष्ठ पत्रकार हैं।

डूडा कार्यालय का ताला तोड़कर चोरी, कोतवाली से चंद कदम की दूरी पर चोरों ने वारदात को दिया अंजाम

संवाददाता–श्रावस्ती। जूनियर हाईस्कूल भिनगा परिसर में संचालित डूडा कार्यालय का बृहस्पतिवार रात चोर ने ताला तोड़ दिया। जहां से चोर कंप्यूटर बायोमैट्रिक मशीन सहित अन्य सामान पार कर ले गए। इसकी सूचना प्रबंधक ने कोतवाली पुलिस को दिया है।

भिनगा कोतवाली से चंद कदमों की दूरी पर स्थित जूनियर हाईस्कूल के एक भवन में जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) कार्यालय का संचालन किया जा रहा है। यहां तैनात कर्मचारी बृहस्पवितार शाम करीब छह बजे कार्यालय बंद कर घर गए थे।

शुक्रवार सुबह यहां तैनात कर्मचारी राम कुमार यादव जब कार्यालय खोलने पहुंचा। कार्यालय का ताला टूटा हुआ था। इसकी सूचना कर्मचारी ने प्रबंधक आरिफ जफर खान को दिया। मौके पर पहुंचे प्रबंधक ने देखा कि कार्यालय से कंप्यूटर व बायोमेट्रिक मशीन सहित अन्य सामान नदारद है।

इतना ही नहीं वहां रखी अलमारी भी खुली दिखी। इसका लाकर टूटा हुआ था। इसकी सूचना प्रबंधक ने भिनगा कोतवाली पुलिस को दिया है। कोतवाली से चंद कदमों की दूरी पर हुई इस घटना के बाद नगर वासियों में दहशत फैल गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

देश के विकास में ग्राम पंचायत है पहली कड़ी -बीडीओ

संवाददाता–देवरिया। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के तहत तरकुलवा ब्लॉक सभागार में ग्राम प्रधानों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रोजेक्टर के माध्यम से ग्राम प्रधानों को जागरूक किया गया। प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार पांडेय ने किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि ग्राम प्रधानों को अपने दायित्व की जानकारी होने पर ही सही तरीके से उसका निर्वहन करना संभव हो सकता है। देश के विकास में ग्राम पंचायत पहली कड़ी होती है। इस दौरान शिविर में प्रोजेक्टर के जरिए ग्राम प्रधानों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देकर उन्हे प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में एडीओ पंचायत बिंदा सिंह, नितेश पांडेय, अखिलेश दुबे, राहुल पासवान, सुजीत सिंह, हीरालाल गुप्ता, राधेश्याम, ओमकार राव, सत्येंद्र गुप्ता, विकास, चीकू श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

संविधान गौरव अभियान को सफल बनाएं कार्यकर्ता -जयनाथ

संवाददाता–देवरिया। कस्बा के मदन मोहन मालवीय पीजी कालेज में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संविधान गौरव अभियान की कार्यशाला मंडल अध्यक्ष विशंभर पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें नेताओं ने अभियान की सफलता को लेकर चर्चा किया।

कार्यशाला का शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व जिला उपाध्यक्ष जयनाथ कुशवाहा ने कहा कि इस साल भारतीय संविधान के लागू होने का 75 वर्ष पूरा हो रहा है। पार्टी द्वारा 11 जनवरी से लेकर 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान कार्यक्रम तय किया गया है। इसमें अनुसूचित एवं मलिन बस्तियों में जाकर भाजपा कार्यकर्ता डॉ भीमराव अंबेडकर के सम्मान में किए गए कार्यो को बताएंगे।

जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार दुबे ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने डॉ भीमराव अंबेडकर से संबंधित पांच स्थानों को पंच तीर्थ घोषित कर उसका सर्वांगीण विकास करने का काम किया है। मंडल प्रभारी डॉ भानू प्रताप सिंह ने कहा की कांग्रेस की सरकार ने सबसे अधिक संविधान का दुरुपयोग किया है। डॉ अरविंद सहाय ने कहा कि डॉ अम्बेडकर को 1990 में भाजपा समर्थित सरकार ने भारत रत्न देने का काम किया था। संचालन मंडल महामंत्री मंटू पटेल ने किया। इस दौरान सुशील कुमार शाही, राघवेंद्र वीर विक्रम सिंह, डॉ अशोक तिवारी, सुरेश तिवारी, सुरेन्द्र सिंह टुनटुन, डॉ शम्स परवेज, राजेंद्र जायसवाल, अमित शाही, संतोष शाही,सीमा कुशवाहा, डॉ के के मिश्रा, चन्द्र किशोर द्विवेदी,राजेश गुप्ता, आनंद पियूष उपाध्याय, गौतम प्रसाद, संतोष पटेल, धर्मेंद्र सिंह, धर्मेंद्र कुशवाहा,लक्ष्मण वर्मा, जितेंद्र जायसवाल,सोनू वर्मा,सुभंजय सिंह, मंगल प्रताप शाही, योगेन्द्र कुशवाहा, सुरेश कुशवाहा, रितेश तिवारी, सुरेन्द्र चौहान, अशोक तिवारी, महेंद्र पासवान, संतोष पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

शिविर में 93 मरीजों के आंख की हुई जांच

संवाददाता–देवरिया। संत रविदास समाज कल्याण संस्थान ने ब्लॉक क्षेत्र के नवयुवक पूर्व माध्यमिक विद्यालय पुरैना, जमुई,पतलापुर, मिश्रौली गांवों में निःशुक्ल नेत्र शिविर का आयोजन किया, जिसमें 93 लोगों की जांच कर उन्हें दवा वितरण किया गया।

इस दौरान डॉ विशाल कुमार सिंह, डॉ अवधेश कुमार, पवन कुमार, सौरभ कुमार, झुल्लन पाण्डेय, जटाशंकर दुबे, शिवेश कुमार दूबे, नवनाथ पाण्डेय, राजाराम दूबे, शंभू गुप्त, प्रदीप पाण्डेय, केदार आदि मौजूद रहे।

ट्राइसाइकिल से दिव्यांगों के जीवन में आएगी सुगमता -रविन्दर

संवाददाता–देवरिया। लार ब्लाक के परिसर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की तरफ से शुक्रवार को आयोजित शिविर में दिव्यांगों में ट्राई साइकिल वितरण एवं किसान मेला का आयोजन किया गया। पूर्व सांसद रविन्दर कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गो के हित में कार्य कर रही है। दिव्यांगों का जीवन सुगम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल दी जा रही है, जिससे उनके जीवन में सुगमता आए। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमित सिंह बबलू ने कहा कि ट्राई साइकिल की सहायता से दिव्यांगों को आने–जाने में काफी सुविधा होगी। दिव्यांगों के सशक्तीकरण के लिए इस तरह के विशेष कार्यक्रम नियमित तौर पर आयोजित करने की आवश्यकता है, जिससे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को ट्राइसाइकिल मिल सके। जिला दिव्यांग अधिकारी प्रियंका चौधरी ने बताया कि इन दिव्यांगों को पूर्व में चयनित किया गया था, जिन्हें आज ट्राई साइकिल दी गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री के चाचा राजपाल सिंह यादव को सपाईयों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव के चाचा के निधन पर एक शोक सभा आयोजित किया गया है। जहां पर सपाईयों ने राजपाल सिंह को श्रद्धांजलि दिया। सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि समाजवादी परिवार के एक–एक लोग इस दुख की घड़ी मे नेताजी के परिवार के साथ खडे हैं। राजपाल सिंह यादव का असमय निधन सैफई परिवार के साथ–साथ समूचे समाजवादी परिवार के लिए गहरा धक्का है। स्व. राजपाल सिंह यादव राजनीति में तो सक्रिय नही थे पर वह नेताजी व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक मजबूत स्तम्भ थे, वे सदा दिन दुखियों की सेवा मे तत्पर रहते थे। उनकी प्रेरणा से उनकी पत्नी सैफई ब्लाक प्रमुख के रुप मे व उनके पुत्र अभिषेक यादव अंशुल जिलापंचायत अध्यक्ष इटावा के रुप मे आमजन की सेवा कर रहे हैं। इस दौरान अवधेश चौधरी, राजवंशी राजभर, पारसनाथ यादव, जयराम राजभर, रामप्रकाश यादव मुन्ना, प्रमोद गुप्ता, प्रज्ञानंद यादव, कदीर आलम, गब्बूलाल विश्वकर्मा, अंबिका यादव, सिराजुद्दींन खां, मुन्ना यादव, बाबूलाल यादव, खुश मोहम्मद, वीरेंद्र गुप्ता, विवेक सिंह पटेल, रामबली यादव, आफताब आलम, संतोष यादव, प्रभुनाथ यादव, रामबहादुर यादव, सुनील यादव, अशोक मद्देशिया, छेदीलाल यादव, एन पी यादव, रामआधार यादव, बलवंत गुप्ता, प्रमोद गौतम, रुदल त्यागी, हरेन्द्र त्यागी, रामनारायण यादव, ऋषिकेश कुशवाहा, राजेश यादव, प्रमोद यादव, हरेंद्र यादव, रामखेदू यादव, अमरेंद्र यादव, अशोक यादव, देशराज यादव, वीर बहादुर सिंह सैथवार, अर्जुन यादव, राजनाथ यादव, विदेशी भारती आदि रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष व्यास यादव व संचालन जिला महासचिव मंजूर हसन ने किया।

झोपड़ी में हुई छापेमारी, 29 शीशी शराब बरामद

संवाददाता–देवरिया। शराब बेचने की सूचना पर शुक्रवार को एक झोपड़ी में पुलिस ने छापेमारी की। मौके से पुलिस ने 29 शी शी देशी शराब बरामद करते हुए एक अभियुक्त को दबोच लिया। पुलिस ने उसके विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। तरकुलवां थाना क्षेत्र के बजराटार महुआ पिपरा झाम मोड़ पर एक झोपड़ी में अवैध रूप से शराब बेचने की सूचना तरकुलवा पुलिस को मिली थी। सूचना मिलने के बाद शुक्रवार को चौकी इंचार्ज सदानंद यादव ने अन्य पुलिस कर्मियों के साथ झोपड़ी में छापेमारी की। जहां से पुलिस ने एक व्यक्ति को दबोच लिया। उसके पास से पुलिस ने 29 शीशी अवैध देशी शराब बरामद किया। पूछताछ उसने अपना नाम दिवाकर निषाद निवासी बजराटार महुआवा बताया। चौकी इंचार्ज ने बताया कि एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसके विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है।

पति ने खेती कर पाई–पाई जोड़ पढ़ाया, नर्स बनते ही फेरा मुंहय प्रेमी संग लिव–इन में कर रही ऐश

संवाददाता–बहराइच। बहुचर्चित ज्योति मौर्य प्रकरण की तरह ही बहराइच में एक मामला सामने आया है। यहां एक पति ने पत्नी को लखनऊ में रखकर जेएनएम का कोर्स करवा कर नर्स बनाया, लेकिन प्रेम प्रसंग में पड़कर अब पत्नी ने घर आने से इंकार कर दिया है। जिसके बाद से पति दर–दर भटक रहा है और प्रकरण परिवार न्यायालय तक पहुंच गया है। मामला मोतीपुर थाना क्षेत्र का है। यहां के निवासी पंकज कुमार ने बताया कि साल 2018 में उनका विवाह थाना क्षेत्र की ही निवासी एक युवती के साथ हुआ था। विवाह के बाद उनकी पत्नी ने पढ़ाई करने की इच्छा जताई। पंकज ने बताया कि वह किसान हैं, बावजूद इसके उन्होंने पत्नी के पढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बताया कि वर्ष 2019 में जीएनएम कोर्स के लिए पत्नी का दाखिला लखनऊ के डॉ. भीमराव आंबेडकर नर्सिंग फार्मेसी कॉलेज में करवा दिया। इस दौरान साल 2021 में दोनों से एक बेटी भी हुई। लेकिन, पत्नी ने उसकी भी फिकर नहीं की। पढ़ाई के दौरान वह साथ में पढ़ रहे एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग में मस्त हो गई। बताया कि मैं खेती करके पत्नी की फीस भरता रहा। लगभग छह लाख रुपये खर्च करके कोर्स पूरा करवाया। कोर्स पूरा होने बाद पत्नी ने घर आने से इंकार कर दिया। पंकज ने बताया कि पत्नी प्रेमी के साथ रह रही है। वापस लाने के लिए मैं भटक रहा हूं। पंकज की पीड़ा और झलकी जब उन्होंने कहा कि मामला पारिवारिक न्यायालय तक पहुंच गया है। ऐसा लगता है कि पत्नी को पढ़ाकर मैंने बड़ी गलती कर दी।

महिला से छेड़खानी करने वाले युवक पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–देवरिया। स्वयं को मंदिर का पुजारी बताकर पूजा करने गई महिला पर शादी का दबाव बनाने व मना करने पर उसके साथ अश्लील बातें करते हुए छेड़खानी करने वाले युवक पर पुलिस ने छेड़खानी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। महिला ने गुरुवार को पुलिस को तहरीर देकर युवक पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला एक बार शहर के एक मंदिर में पूजा करने गई थी, जहां उसे शहर के उमानगर निवासी अशीष शुक्ला नाम का एक युवक मिला। उसने महिला से बताया कि वह मंदिर में पूजा अर्चना का काम करता है। कुछ समय बाद वह महिला से नजदीकी बढ़ाने का कोशिश किया तथा उससे शादी करने की बात कही। जिस पर महिला ने उससे स्वयं को विवाहित होने व उसकी एक बेटी होने की बात बताई। यह बात जानने के बाद आशीष महिला पर तरह–तरह का दबाव बनाने लगा और घर से उसे उठवाने, जबरदस्ती शादी कर जिंदगी खराब कर देने का धमकी देने लगा। गुरुवार को महिला किसी कार्यवश शहर के सी सी रोड पर गई थी,जहां वह महिला से अश्लील बातें करते हुए छेड़खानी करने लगा। इस दौरान वह तरह–तरह गाली देने के साथ झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी भी दिया। महिला उसके हरकतों से तंग आकर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग। पुलिस उसके तहरीर के आधार पर आरोपी आशीष शुक्ला के विरूद्ध बीएनएस की धारा 74, 296, 352, 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

वाहन चेकिंग के दौरान शराब तस्करों से शराब की खेप बरामद

संवाददाता–देवरिया। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ट्रक से तस्करी कर ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने दो शराब तस्करों को गिरफ्तार भी किया है। जिले के सुरौली पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कारवाई करते हुए दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया। इस दौरान एक ट्रक से 40 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। च देवरिया विक्रांत वीर ने बताया कि अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान "ऑपरेशन प्रहार" चलाया जा रहा है। शुक्रवार को सुरौली पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी, इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पेट्रोल पम्प सरौरा मोड़ मझगांवा के पास से एक ट्रक UP54 T 3893 में शराब की पेटी तस्करी कर ले जाई जा रही है। पुलिस ने छापेमारी कर 40 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ नितेश कुमार यादव पुत्र रविन्द्र यादव निवासी पिपराटोला टोला बलुआं थाना डोरीगंज जनपद छपरा (बिहार) और दूसरा बिट्टू कुमार यादव पुत्र लालबाबू यादव निवासी कसदेयर पुर्वी बलुआँ थाना डोरीगंज जनपद छपरा (बिहार) को गिरफ्तार किया गया।

शराब की पेटी में पुलिस ने 15 पेटी ओल्डमान्क व 25 पेटी ऑफिसर चॉइस बरामद की, उन्होंने बताया कि बरामद शराब की कीमत लगभग 2.65 लाख रुपये है। तस्करी कर रहे बरामद वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 07 लाख रुपये है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह थाना सुरौली, उप निरीक्षक अनिल कुमार तिवारी, कांस्टेबल रामनिवास यादव, मनीष यादव और दीपक मौर्या रहे।

ईंट भट्ठा परिसर में कच्ची तैयार हुई तो भट्ठा मालिक पर होगी कार्रवाइ

संवाददाता–देवरिया। ईंट भट्ठा परिसर में कच्ची के तैयार होने की मिल रही शिकायत को लेकर जिला प्रशासन अब सख्त हो गया है। परिसर में अगर कच्ची तैयार होते पाई गई तो ईंट भट्ठा मालिक या संचालक के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई करेगी। इसको लेकर डीएम ने एसडीएम, सीओ व आबकारी निरीक्षकों को निर्देश दिया है। जिले में कुछ ऐसे ईंट भट्ठे हैं, जिस पर मजदूर कच्ची तैयार करते हैं। यहां तैयार होने वाली कच्ची जहां लोगों के सेहत के लिए नुकसानदायक है, वहीं इससे राजस्व की भी क्षति होती है। कच्ची पीने से कभी–कभी लोगों की मौत हो जाती है। इसको देखते हुए डीएम दिव्या मित्तल अब सख्त हो गई हैं। डीएम ने कहा कि किसी भी ईंट भट्ठा परिसर में अगर कच्ची का निर्माण व बिक्री किया जा रहा है तो इस पर सख्त कार्रवाई होगी और कर्मचारी के साथ ही साथ ईंट भट्ठा मालिक या फिर संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कहीं भी इस तरह का कार्य हो रहा है तो लोग भी इसकी सूचना दे सकते हैं, उनका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

पूर्व विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई को जेल पहुंचाने वाले गवाह को पड़ा हार्ट अटैक, मौत

संवाददाता–महराजगंज। जेल में बंद पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के भाई रिजवान को जेल पहुंचाने वाले गवाह की मौत हो गई। गुरुवार की देर रात विष्णु सैनी को हार्ट अटैक पड़ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। विष्णु सैनी ने ही इरफान सोलंकी और उसके भाई पर रंगदारी का मुकदमा दर्ज कराया था। इतना ही नहीं विष्णु ने जाजमऊ के आगजनी प्रकरण में भी पूर्व विधायक उनके भाई और अन्य आरोपियों के खिलाफ गवाही दी थी जिसमें सभी को सजा भी हुई थी। रिजवान और शौकत कानपुर जेल में हैं। बहरहाल कानून विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विष्णु की मौत का असर रिजवान समेत अन्य आरोपियों के मुकदमे में पड़ेगा। क्योंकि अभी तक इस मामले में आरोप तक तय नहीं हो सके हैं। मामला सीजेएम कोर्ट में विचाराधीन है।

कल्याणपुर गूबा गार्डन निवासी विष्णु सैनी ने जाजमऊ थाने में सात नवंबर 2023 को मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि वह 24 अक्तूबर को जरूरी काम से कचहरी गया था जहां रिजवान और शौकत अली पेशी पर आए थे। शौकत ने इशारे से बुलाया और कहा तेरी गवाही की वजह से हम लोगों को जेल जाना पड़ा है।

खर्च बढ़ गया है इसलिए तू पांच लाख रुपये केडीए कंपाउंड जाकर दे देना। नहीं तो तुझे या परिवार का एक सदस्य कम कर देंगे। जिसके बाद वह डर गया और 41 हजार रुपये लेकर जाजमऊ कंपाउंड पहुंचा। यहां आठ लोग मिले जिन्होंने रुपये ले लिए और शेष पैसा भी मांगा। इंतजाम न कर पाने की बात कही तो एक ने कमर से कट्टा निकाला और सिर पर सटाकर फायर कर दिया लेकिन फायर मिस हो गया। इस मामले में जाजमऊ थाने में रिजवान, शौकत समेत 10 पर हत्या के प्रयास, रंगदारी लेने, षडयंत्र समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था।

युवा सपाईयों ने बेरोजगारी पर जतायी चिंता

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी युवजन सभा की बैठक शुक्रवार को शहर के सीसी रोड पर हुई। इसमें जिले में बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी पर चर्चा किया। रोजगार और नौकरी जिले के युवाओं को नहीं मिल रहा है, जिससे वह आत्महत्या करने को मजबूर है। ऐसी सरकार के विरुद्ध आंदोलन के लिए निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के चलते लोग परेशान है। भाजपा राज में महंगाई व बेरोजगारी से जनता त्रस्त है। पिछले एक साल में फुटकर बाजार में आटे की कीमत 400 से 800 प्रति कुंतल बढ़ी है, वहीं दालों की कीमत में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। भाजपा सरकार में बेरोजगार नौजवानों की शुधि लेने वाला कोई नहीं है। रोजगार व नौकरी नहीं मिलने से युवा आत्महत्या करने को मजबूर हैं। समाजवादी युवजन सभा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता 2027 के विधानसभा के चुनाव को लक्ष्य मानकर तैयारी में जुट जाय। सभी कार्यकर्ता आगामी 27 जनवरी से प्रस्तावित पीडीए चर्चा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अभी से कमर कस लें। बैठक में शिवनाथ यादव, पवन मिश्रा शिवानंद, सनी प्रभात, जयराम, इमरान लारी आदि मौजूद रहे।

विवेकानंद जयंती समारोह 12 का

संवाददाता–कुशीनगर। स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस मौके पर शहर की मुसहर टोली (मैत्रीपुरम) बेलवा जंगल स्थित विवेकानंद विद्यालय में 11 बजे से राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसकी जानकारी विवेकानंद युवा कल्याण केंद्र पडरौना के सचिव डॉ. सीबी सिंह सेंगर ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुष राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार दयाशंकर मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि अवकाश प्राप्त आईएएस योगेश्वर राम मिश्र होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर संजय कुमार पांडेय करेंगे।

अपराधियों पर करें सख्त कार्रवाई –एसपी

संवाददाता–देवरिया। । पुलिस लाइन सभागार में गुरुवार की रात एसपी विक्रांत वीर ने थानाध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करें। हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी की जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। एसपी ने कहा कि आपरेशन त्रिनेत्र के तहत सड़क, चौराहों, पार्क, होटल, ढाबा, स्कूल बैंक व पेट्रोल पंप पर सीसी कैमरे लगाए गए हैं, उन कैमरों की जांच समय–समय पर करते रहें। अगर सीसी कैमरे खराब मिलते हैं तो उसे दुरुस्त करा दें, इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इन दिनों कई कैमरों के खराब होने की शिकायतें भी मिली हैं। संवेदनशील स्थलों, सार्वजनिक स्थानों, सराफा बाजार, कस्बा, चौराहों, बस स्टेशन समेत अन्य जगहों पर विशेष सतर्कता बरतें और समय–समय पर जांच भी करते रहें। उन्होंने कहा कि यूपी–बिहार बार्डर पर स्थित बैरियर प्वाइंटों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ चेकिंग की जाए। रात्रि गश्त में होमगार्ड की भी ड्यूटी लगाई जाए। महिला संबंधित अपराध की शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई करें। महिला पुलिस बीट अधिकारी संबंधित पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगी और उनका फीडबैक लेंगी। एएसपी उत्तरी दीपेंद्र नाथ चौधरी, एएसपी दक्षिणी सुनील कुमार सिंह, सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी, रुद्रपुर अंशुमन श्रीवास्तव, भाटपाररानी शिव प्रताप सिंह समेत अन्य अधिकारी व थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

एक नामजद सहित चार अज्ञात के विरुद्ध एसीएसटी एक्ट के तहत केस दर्ज

संवाददाता–देवरिया। नगर पंचायत लार के चालक राजीव रंजन की पिटाई के मामले में पुलिस ने एक नामजद सहित चार अज्ञात लोगों के विरुद्ध एसीएसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। नगर पंचायत लार के चालक राजीव रंजन गुरुवार की शाम सफाई कार्य कूड़ा–कचरा उठाने हेतु बाजार वार्ड में गया था, जहां बाजार वार्ड के शहजादा पुत्र शौकत निवासी बाजार वार्ड लार अपने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर बिना किसी कारण के गाली–गुप्ता देते हुये चालक राजीव रंजन को मारपीट कर घायल कर दिया गया था। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शान्त कराया था। मारपीट में घायल राजीव रंजन का इलाज सीएचसी लार पर कराया गया। इन्स्पेक्टर उमेश कुमार बाजपेयी ने बताया कि मारपीट के मामले में राजीव रंजन की तहरीर के आधार पर शहजादा पुत्र शौकत निवासी बाजार वार्ड सहित चार अज्ञात लोगों के विरुद्ध एसीएसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

गुड समैरिटन योजना के बारे में दी गयी जानकारीगुड समैरिटन योजना के बारे में दी गयी जानकारी

संवाददाता–देवरिया। सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत शुक्रवार को तहसील कार्यालय में सड़क सुरक्षा कार्याशाला का आयोजन किया गया। इसमें एसडीएम श्रुति शर्मा ने ई–रिक्शा चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हे सड़क सुरक्षा के प्रति शपथ दिलाई। वहीं एआरटीओ आशुतोष शुक्ला ने गुड समैरिटन योजना के बारे में जानकारी दी। रूद्रपुर कस्बे में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 1 जनवरी से चलाया जा रहा,अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को रुद्रपुर तहसील में ई रिक्शा चालकों के साथ सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें में एसडीएम ने ई–रिक्शा चालकों यातायात नियमों के बारे में जानकारी देते हुए उसका पालन करने का निर्देश दिया। एआरटीओ ने ई–रिक्शा चालकों से सड़क हादसे में घायल होने वाले लोगों कों अस्पताल पहुंचाने का अपील किया। उन्होंने ई–रिक्शा चालकों को गुड समैरिटन के बारे में जानकारी देते हुए घायलों को गोल्डन आवर (1घंटा) के अंदर अस्पताल पहुंचाने हेतु प्रेरित किया स कार्यशाला में ई रिक्शा चालकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ भी दिलाई गई।

नपा ने मदनी मस्जिद के पक्षकारों को दी एक सप्ताह की मोहलत

संवाददाता–कुशीनगर। 15 दिन पहले हाटा के नगरपालिका प्रशासन ने वार्ड नंबर–21 स्थित जिस मदनी मस्जिद के दो पक्षकारों को नोटिस जारी कर सात जनवरी, 2025 को पेश होकर जवाब देने को कहा था। उन्हें नगरपालिका ने मोहलत की मियाद अब एक सप्ताह और बढ़ा दी है। क्योंकि नियत समय सात जनवरी को पहुंचकर पक्षकारों ने कोर्ट का हवाला देते हुए चौदह दिन की और मोहलत मांगी थी। उस पर विचार करने के बाद नगरपालिका प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। नगरपालिका ने अब 16 जनवरी, 2025 को कार्यालय में उपस्थित होकर अपना साक्ष्य सहित अभिलेख प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

नगरपालिका परिषद हाटा की अधिशासी अधिकारी मीनू सिंह ने आठ जनवरी को जारी अपने पत्र में मदनी मस्जिद की पक्षकार अजमनतुन निशा पत्नी हाजी हामिद व जाकिर अली पुत्र हाजी हामिद को दूसरी नोटिस जारी किया है। इसमें लिखा है कि इस कार्यालय की तरफ से 21 दिसंबर, 2024 को आपको नोटिस जारी किया गया था। उसमें बताया गया था कि वार्ड नंबर–21 गांधीनगर में नगरपालिका के पीछे अवैध रूप से चार तल की मस्जिद एवं सीढ़ी के नीचे दोनों तरफ भूमिगत कमरों का निर्माण कराया गया है। इस संबंध में आपसे अभिलेख तथा नगरपालिका द्वारा जारी नक्शा कई बार मांगा गया, लेकिन उसे उपलब्ध नहीं कराया गया।

इस संबंध में कार्य से संबंधित कागजात, नक्शा सहित अन्य पत्रावली सात जनवरी, 2025 को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष पेश होकर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया था। इसमें नियत समय पर उपस्थित होकर आप द्वारा और समय मांगा गया। इस मांग के परिप्रेक्ष्य में ईओ मीनू सिंह ने अजमनतुन निशा और जाकिर अली को लिखित रूप से एक सप्ताह का और समय देते हुए 16 जनवरी, 2025 को पुनः पेश होकर अपना पक्ष रखने का मौका दिया है। जारी नोटिस में यह भी लिखा गया है कि अगर समय पर समुचित जवाब नहीं मिला तो आप लोगों को जिम्मेदार ठहराते हुए आपके खिलाफ नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी, जिसकी सारी जिम्मेदारी दोनों पक्षकारों की होगी।

एक नामजद व 10 अज्ञात पर तोड़फोड़ व मारपीट का मुकदमा

संवाददाता–देवरिया। शहर के जेल के समीप एक युवक की हुई पिटाई व वाहन में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने एक नामजद व 10 अज्ञात के विरुद्ध सदर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। सदर कोतवाली के दानोपुर की रहने वाली रिंकी यादव का आरोप है कि उनके बेटे की कुछ लोगों ने 28 दिसंबर को पिटाई की और वाहन तोड़ दिया। इस मामले में पुलिस ने राहुल यादव व 10 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

एआरटीओ ने ट्रैक्टर ट्रॉली के विरुद्ध चलाया जागरुकता अभियान

संवाददाता–देवरिया। बढ़ती ठंड के साथ कोहरे को देखते हुए एआरटीओ ने अभियान चला रहे है। सड़क पर चलने वाले वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगवाया तथा सभी चालकों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगवाने का निर्देश दिया। अधिकारी और कर्मचारियों ने जिले के गन्ना तौल केंद्रों पर पहुंच कर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप के लिए चालको और वाहन स्वामी को जागरुक किया।

कोहरे के दौरान सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 1 से 31 जनवरी तक यातायाम माह मनाया जा रहा है। कोहरे के दौरान चलने वाले वाहनों की परिवहन विभाग द्वारा जांच की जा रही है। एआरटीओ आशुतोष शुक्ला के साथ विभाग के यात्री कर अधिकारी अनिल तिवारी जिले के अलग अलग स्थानों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप के लिए अभियान चलाया। अधिकारी जिले के गन्ना तौल केंद्र पर पहुंचे जहां पर दर्जनों की संख्या में ट्रैक्टर और ट्राली पर गन्ना लेकर किसान आए हुए थे।

जहां अधिकारियों ने ट्रैक्टर के आगे और ट्राली के पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाया। इसके बाद अधिकारियों ने मौके पर वाहन स्वामी और चालकों को वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाने के लिए जागरुक किया। इस दौरान परमिट, बीमा, फिटनेस, प्रदूषण आदि की जांच के साथ बाइक चालकों को परिचालन के दौरान हेलमेट की जांच की जाती है।

देश–दुनिया में योगी ने सनातन धर्म की एक अलग पहचान बनाई –जयवीर सिंह

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि गोरखपुर लगातार उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में उत्तर प्रदेश का डंका दुनिया में बज रहा है। देश व दुनिया में योगी ने सनातन धर्म की एक अलग पहचान बनाई है। वह शुक्रवार को तारामंडल स्थित चंपा देवी पार्क में सात दिवसीय गोरखपुर महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर बोल रहे थे। महोत्सव का शुभारंभ राष्ट्रगान व वैदिक मंत्र उच्चारण शंख ध्वनि व मंजीरे की धुन पर दीप जलाकर किया गया। पर्यटन मंत्री ने नेशनल बुक डिपो की प्रदर्शनी तथा विज्ञान प्रदर्शनी का फीता काट कर शुभारंभ किया तथा अवलोकन भी किया। पर्यटन मंत्री ने कहा कि गोरख पीठ व संत कबीर की इस पावन धरती पर भव्य आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 8 सालों में उत्तर प्रदेश ने अपनी एक नई पहचान बनाई है। यहां उन्होंने लोगों को माफिया, अपराध से मुक्त कराया है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने संस्कृति परंपरा तथा जीवन जीने की कला से देश की ताकत को बताई है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को समाप्त करने तथा कमजोर करने के लिए विरोधियों ने काफी प्रयास किए थे। परंतु सनातन था, सनातन है और सनातन हमेशा रहेगा। महाकुंभ पर उन्होंने कहा कि 144 साल के बाद यह महाकुंभ आया है। वर्तमान में हम सभी के जीवन काल का यह पहला महाकुंभ हो रहा है। महाकुंभ में देश भर के विभिन्न राज्यों से साथ सनातनियों का आगमन होगा। गंगा, यमुना ,सरस्वती के संगम में सभी डुबकी लगाएंगे। यह आयोजन इतना बड़ा हो रहा है कि दुनिया इस पर रिसर्च करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हम सभी आगे बढ़ रहे हैं। हर जिले में महोत्सव मनाने का कार्य मुख्यमंत्री ने किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 403 विधानसभा में करोड़ों रुपए का विकास मुख्यमंत्री की देन है। एकता ,अखंडता और राष्ट्रीयता के भाव से प्रदेश आगे बढ़ रहा है इसकी शुरुआत गोरखपुर से ही हुई है। हम सब मिलकर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने का कार्य करेंगे यह अग्रणी राज्य बनेगा। आदर्श उत्तर प्रदेश बनाने के लिए हम सभी प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि हम तीसरी बार इस गोरखपुर महोत्सव में आए हैं गोरखपुर लगातार उन्नति कर रहा है। आगे हम मुख्यमंत्री के सपनों को पूरा करेंगे। इस दौरान मंच पर मुख बधिर के लिए भी भाषण सुनने की व्यवस्था की गई थी जिसमें मूक बधिर को इशारों में संबोधन को बताया जा रहा था।

टीबी रोगियों को ब्लाक प्रमुख, बीडीओ व ब्लाक कर्मियों ने लिया गोद, सौपा पौष्टिक आहार किट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। ब्लाक सभागार में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान के तहत शुक्रवार को ब्लाक प्रमुख व बीडीओ सहित दर्जनों ब्लाक कर्मियों ने टीबी से ग्रसित रोगियों को पौष्टिक आहार सौपा और उपचार अवधि तक आहार देने का जिम्मा उठाया।

एडीओ पंचायत सुबाष चंद्र, एडीओ आईएसबी देवेंद्र यादव व प्रभारी चिकित्साधिकारी डा फैज वारिस के नेतृत्व में 20 टीबी से ग्रसित रोगियों को गोद लेकर उहें पौष्टिक आहर का थैला सौपा। थैले में मूंगफली, गुड़, गजक, भुना चना व सत्तू सामिल था।

एडीओ पंचायत सुबाष चंद्र ने कहा कि ग्राम पंचायतों से टीबी रोग को भगाने के लिए रोगियों को पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। सभी इसका समय से उपयोग करे। जिनको गोद लिया गया है उनको उपचार तक हर माह दिया जाएगा।

डा फैजवारिस ने बताया कि टीबी रोगियो को जो भी गोद लेकर आहर देगा उहें निःक्षय मित्र के नाम से संबोधित किया जाएगा। निःक्षय मित्र कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, एनजीओ, प्रधानाध्यापक व गांव का कोई व्यक्ति लिंक के माध्यम से बन सकता है और उसे रोगियों का सहयोग करना है।

ब्लाक प्रमुख अनिल कुमार दुबे ने राजपुर के जगन्नाथ, बीडीओ आलोक कुमार पंकज पिपरपाती मुस्तहकम के सचिन, एडीओ पंचायत सुबाष मटियरिया के कल्पनाथ, एडीओ आईएसबी देवेंद्र यादव देवरिया के नेवास, लेखाकार दीपक श्रीवास्तव लोइयाभारी के रेनू व गायघाट के निधि, एडीओ समाज कल्याण कुलदीप यादव ने सेल्हरा के राम जियावन, मधुसूदन प्रजापति पाकरडाड के पलटन, गायघाट के अकबरी व साहिद, रवि प्रकाश पांडेय चकदहा के प्रेमलता, रामकेश यादव चकिया के रामराज, महेंद्र यादव बैड़ारी मुस्तहकम के राजेंद्र, घनश्याम यादव मेहनौना के वंशीलाल व टिटिहरी के प्रेमा देवी, गोरखनाथ यादव उजियानपुर के अनुज, अजय कुमार वारीघाट के नर्मदा देवी, महेंद्र यादव महुआपार खुर्द के राजकुमार, राधा गुप्ता मधवापुर के अजय कुमार को गोद लिया।

चार लाख रुपये लेकर मंडल अध्यक्ष बनाने का आरोप, भाजपा कार्यालय में जमकर हंगामा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मंडल अध्यक्ष के चुनाव में गड़बड़ी हुई और पैसे लेकर पद दिए गए हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष के चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाकर जिला कार्यालय पर जमकर हंगामा किया। कार्यकर्ताओं और नेताओं ने कार्यालय का गेट बंद कर जिलाध्यक्ष और चुनाव अधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि चुनाव में अपने करीबी लोगों को पैसा लेकर मंडल अध्यक्ष पद दिया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष की गुरुवार देर शाम लिस्ट आयी। लिस्ट आने के कुछ ही देर बाद कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल मीडिया पर इसको लेकर आपत्ति दर्ज कराना शुरू कर दिया गया था। शुक्रवार सुबह से ही कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला कार्यालय पर हंगामा करना शुरू किया। कार्यकर्ताओं के हंगामा को देखते हुए सीओ सदर देवेंद्र मौर्या सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल भाजपा कार्यालय पर पहुंच गए।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया की मंडल अध्यक्ष के चुनाव में नियम तोड़कर भारी गड़बड़ी कर अपने लोगो को मंडल अध्यक्ष बना दिया गया। जलालपुर नगर के पूर्व नगर अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने बताया कि वह मंडल अध्यक्ष का चुनाव लड़े थे उनके साथ सभी बूथ अध्यक्ष थे लेकिन उनके स्थान पर दूसरे को मंडल अध्यक्ष बना दिया गया। हंसवर मंडल की महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष ज्योति सिंह ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी ने चार लाख रुपये लेकर उस व्यक्ति को मंडल अध्यक्ष बना दिया जो भाजपा का अभी जल्दी सक्रिय सदस्य बना है और जो गोकसी का काम करता है। इसी तरह नेवादा मंडल के कार्यकर्ताओं ने जिला चुनाव अधिकारी पर चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया। भाजपा जिला अध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी ने कहा कि चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हुई है। कार्यकर्ता हैं कभी–कभी आक्रोश में कुछ भी बोल देते है।

नील गायों के आंतक से किसान परेशान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र में नीलगायों का आतंक बढ़ गया है। किसानों की खेत में लहलहाती फसल बर्बाद कर रहे है। रात का अंधेरा हो या फिर दिन का उजाला इससे नीलगायों को कोई परहेज नहीं है। खेत में झुंड के झुंड पहुंच कर फसल को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। खाने से ज्यादा इनके पैरों से फसल की बर्बादी हो रही है। किसानों को खेतों में जाल लगाकर या रतजगा कर फसल को बचाना मजबूरी बन गया है। क्षेत्र के परसा जमाल, भानपुर मस्जिदिया, धनखरपुर, सागररौजा, तेनुहार, चकाए मियांताडी गांव के किसान रामप्रताप, मसीहुद्दीन, दुलारे, राम औतार आदि ने बताया कि नीलगायों के आतंक से फसलों को बचाना बहुत ही मुश्किल हो गया है। झुंड के झुंड नीलगाय फसलों को बर्बाद कर रही हैं।

ठंड में पशुओं की विशेष देखभाल रखने की जरूरत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ठंड में पशुओं को ठंडा चारा व दाना नहीं देना चाहिए। इससे पशुओं को ठंड लग जाती है। पशुओं को ठंड से बचाव के लिए एक हरा चारा तीन मुख्य चारा के अनुपात में खिलाना चाहिए। पशुपालकों को ठंड के दिनों में अपने दुधारू पशुओं के विशेष देखभाल की जरूरत है। ये बातें शुक्रवार को डुमरियागंज क्षेत्र के हजिरवा गांव में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए पशु चिकित्साधिकारी डॉ हरेन्द्र चौरसिया ने कही। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को ठंड के मौसम में गाय, भैंस,बकरी के आवास प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

पशुशाला के दरवाजे व खिड़कियों पर बोरे लगाकर सुरक्षित रखें। जहां पशु आराम करते हैं वहां गीला न होने दें। उस स्थान पर पुआल,भूसा, पेड़ों की पत्तियां बिछाना जरूरी है। झरोखा व खिड़कियां हर समय बंद रखें। पशुओं के शरीर पर टाट की बोरी या पुराने कम्बल से ढके रहे। ठंड में भैंस,गाय को गुड़ के साथ संतुलित आहार दें। ध्यान रहे कि ठंड के मौसम में सुबह नौ के पहले एवं शाम पांच के बाद घर से बाहर न निकाले। अधिक कोहरा पड़ने पर धुआं भी समय समय पर करें ताकि वातावरण गर्म रहे। बेहतर रखरखाव के द्वारा ही रोगों से बचावकर अपने पशुओं को पशुपालक सुरक्षित कर सकते हैं। इस दौरान राम अचल यादव, विरेन्द्र दूबे, विनोद कुमार,रक्षा राम, सतीश दूबे, मगन गौतम आदि मौजूद रहे।

इमरजेंसी में ड्यूटी चार्ट न होने पर डीएम ने जताई नाराजगी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में ड्यूटी चार्ट न होने पर नाराजगी जाहिर की। परिसर में साफ–सफाई का अभाव दिखने पर बेहतर करने का निर्देश दिया। डीएम ने मरीजों–तीमारदारों से बातचीत कर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। औचक निरीक्षण के दौरान डीएम सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे। इस दौरान चिकित्सक, फार्मासिस्ट, वार्ड ब्वॉय संबंधित ड्यूटी चार्ट लगा नहीं मिला। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। डीएम ने कहा कि आदेश के बाद भी ड्यूटी चार्ट नहीं लगाया गया है। इसे तत्काल लगाते हुए रोस्टरवार ड्यूटी अंकित किया जाए, ताकि मरीजों–तीमारदारों को परामर्श के लिए परेशान न होने पड़े। इसके अलावा ड्यूटी पर मौजूद रहने वाले सभी कर्मियों को ड्रेस में रहने की हिदायत दिया। डीएम ने मेडिकल कॉलेज में जनरल वार्ड, प्रसूति कक्ष, ओपीडी, सिटी स्कैन कक्ष, ब्लडबैंक आदि को देखा गया। इस दौरान अस्पताल परिसर में गंदगी फैला होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए साफ–सफाई व्यवस्था ठीक कराने का निर्देश दिया। चिकित्सकों को बाहरी दवा न लिखने की हिदायत दी। इस दौरान प्राचार्य प्रो. डॉ. राजेश मोहन, सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया, सीएमएस डॉ. एके झा आदि मौजूद रहें।

उपेक्षा का दंश झेल रहा शहर का अचकवापुर मोहल्ला

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में खलीलाबाद नगर पालिका का अचकवापुर मोहल्ला उपेक्षा का दंश झेल रहा है। पूरे मोहल्ले के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। मोहल्ले की दलित बस्ती और भी उपेक्षित महसूस कर रही है। यह मोहल्ला हाइवे के किनारे बसा हुआ है। फिर भी यहां पर विकास की वह आभा नजर नहीं आती है, जिसके लिए यह हकदार है। मोहल्ले की इस दुर्दशा के लिए कुछ तो परिस्थितियां जिम्मेदार हैं तो कुछ प्रशासनिक उपेक्षा की वजह से यह समस्याएं पैदा हुई हैं। यहां के लोग नारकीय जीवन जी रहे हैं और जिम्मेदार पूरी तरह से खामोश बने बने हुए हैं। शहर के अचकवापुर मोहल्ले में पहले सुगर मिल हुआ करती थी। जब मिल चलती थी तो आय का बड़ा जरिया भी हुआ करता था। पूरी रात दुकानें चलती थीं। जलपान का काम पूरी रात चलता रहता था। यहां के लोग सड़क के किनारे दुकानें लगाया करते थे और लोगों की आय बढ़ जाती थी। चीनी मिल में काम करने वाले कर्मचारी भी यहीं पर किराए का मकान लेकर रहते थे। इससे भी मोहल्ले के लोगों की आय बढ़ती जाती थी। चीनी मिल बंद होने के बाद लोगों के आय का रास्ता बंद हो गया है। इसी मोहल्ले में दो–दो टकीज हुआ करती थी। मोती थियेटर के नाम पर मोती चौराहा नाम पड़ गया था। गांव से लेकर शहर तक के लोग टकीज में पिक्चर देखने के लिए आते थे। बाहर ठेले से लेकर बड़ी दुकानें यहीं होती थी। लोग पिक्चर देखने के बाद यहीं पर सामानों की खरीदारी करते थे और उसके बाद लोग घर जाते थे। यह मोहल्ला शहर का सबसे संपन्न मोहल्ला होता था। चीनी मिल और पिक्चर हाल बंद होने के बाद इस मोहल्ले की हालत खस्ता होती गई। अब यहां के लोग अपने को उपेक्षित महसूस करते हैं। मोहल्ले के दलित बस्तियों की हालत और भी खराब है। शहर का वार्ड होने के बाद भी सड़कों पर खड़ंजा लगा हुआ है। मोहल्ले में जो नई कालोनी विकसित हुई वहां पर जल निकासी की समस्या है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0:–D201117140000017

धारा 210 एल0आर0एक्ट

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय हर्रैया जिला–बस्ती

अवध बिहारी

बनाम

रामतेज

1. भानुप्रताप पाण्डेय 2. विजय प्रताप पाण्डेय 3. चन्द्रभान पाण्डेय 4. सूर्य प्रताप पाण्डेय पुत्रगण रामतेज साकिनान मौजा जुड़ईपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–01–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0:–T202217450301514

धारा 144 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय मेहदावल जिला–संतकबीरनगर

राघवेन्द्र प्रताप सिंह

बनाम

राजमन आदि

1. राजमन पुत्र मुन्नू 2. फूलचन्द्र 3. रामशब्द 4. रवि पुत्रगण राजाराम 5. श्रीमती सुभावती पत्नी राजाराम 6. नारद 7. सुरेन्द्र पुत्रगण बुद्धिराम निवासीगण ग्राम भरवलिया पाण्डेय तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला–संतकबीरनगर

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

8. ग्राम पंचायत मलाई जरिये ग्राम प्रधान मलाई तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला–संतकबीरनगर 9. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी संतकबीर नगर

–प्रतिवादीगण द्विती वर्ग

10. संजय कुमार सिंह 11. अभिनाश कुमार सिंह पुत्रगण अमरेन्द्र बहादुर सिंह निवासीगण ग्राम सोनबरसा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला–संतकबीरनगर

–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 19–01–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कपड़ा व्यापारी के कमरे से 77 हजार चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र में कपड़े का व्यापार करने आए व्यापारियों ने कोनी में किराये का कमरा लिया है। उसी कमरे का ताला तोड़कर 77 हजार रुपये नकदी चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, नगर पालिका वार्ड नंबर 12 भावर टोला नेपाल के टोप बहादुर शाही ने पुलिस को बताया कि अपने तीन साथियों अनिल गौतम, टीकाराम गडेल, लोकेन्द्र शाही के साथ कैंपियरगंज के विशुनपुर गांव के टोला कोनी स्थित आशु सिंह के मकान में किराये का कमरा लेकर कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर होगा कार्यक्रम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बढ़नी ब्लॉक के भरौली गांव में विश्व हिन्दू परिषद सांस्कृतिक स्थल पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम को लेकर व्यवस्थापक कमेटी शुक्रवार को अंतिम तैयारी में जुटे रहे। कार्यक्रम संयोजक सत्यप्रकाश धर द्विवेदी व श्रीराम पाठक ने बताया कि 11 जनवरी दिन शनिवार को प्रातः 10 बजे से अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में श्रीराम मंदिर से राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक व धार्मिक गौरव के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित की गई है। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह व भोजपुरी एक्टर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ का आगमन सम्भावित है। कलिक पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णन, कवयित्री कविता तिवारी, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय, सुरेंद्र पाण्डेय अतिथि व वक्ता के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। भगवान श्रीराम के महिमा कथा और भजन अमृत वाले इस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंच व्यवस्था, अतिथि स्वागत, दर्शकों–श्रोताओं के बैठने की व्यवस्था, साफ–सफाई आदि की जिम्मेदारी टोली बनाकर दे दी गई है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 518 / 95

स्वरूप

बनाम

ओरीलाल

1 / 1 प्रेमा उम्र 70 वर्ष पत्नी स्व0 ओरीलाल 1 / 2 रमेश उम्र लगभग 50 वर्ष 1 / 3 जगदीश उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्रगण स्व0 ओरीलाल निवासी ग्राम गायसाथ उर्फ बाघडीह तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–01–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 24 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

प्रकीर्ण सिविल अपील सं0–121 / 2023

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज / एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती शान्ती देवी

बनाम

सुभद्रा आदि

1 / 1 कमला पाल आयु लगभग 53 साल 1 / 2 सुरेन्द्र आयु लगभग 50 साल 1 / 3 योगेन्द्र आयु लगभग 45 साल पुत्रगण स्व0 भगवान दास पाल 3. उपेन्द्र आयु लगभग 40 साल 4. धर्मेन्द्र आयु लगभग 35 साल पुत्रगण स्व0 कृष्णदेव निवासीगण ग्राम तिलकपुर तप्पा शिवबखरी परगना महुली पश्चिम तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 27–01–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

जनसुनवाई में सबसे अधिक आए भूमि विवाद के मामले

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को शाहपुर स्थित हिंदू भवन पर लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान जमीनी विवाद, पैमाइश, पेयजल, आवास आदि से जुड़े मामले पेश हुए। समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर पूर्व विधायक ने वार्ता की। सुबह करीब 9 बजे पूर्व विधायक के समक्ष लोगों ने अपनी समस्याएं पेश करनी शुरू की। सिलसिलेवार लोगों की समस्याएं सुनने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यथाशीघ्र समाधान के लिए कहा। उन्होंने बताया कि तकरीबन दो दर्जन मामले पेश हुए। सबसे अधिक मामले राजस्व विभाग से जुड़े रहे। इसमें पैमाइश आदि की शिकायत अधिक रही। जिसके लिए एसडीएम से वार्ता कर समाधान के लिए कहा गया है। थानों से संबंधित भी शिकायत मिली है जिसके समाधान के लिए उच्चाधिकारियों से वार्ता की गई है। इस दौरान संतोष पासवान, मुकुंद झा, बबलू पाण्डेय, गणेश सिंह, डंपू पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

प्रकीर्ण सिविल अपील सं0–58 / 2023

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज / एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मुन्नी लाल

बनाम

छटंकी आदि

1. राम विलास पुत्र छटंकी 2. जानकी लाल पुत्र छटंकी निवासीगण विलौड़ी बरगाह तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 3. कलावती देवी पुत्र छटंकी निवासी डिलिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 4. कलकलता 5. पुष्पलता 6. मेहलता पुत्रीगण जयराम 7. अम्बेडकर भारती 8. अनिल कुमार भारती 9. अरूण कुमार भारती पुत्रगण जयराम निवासीगण विलौड़ी बरगाह तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 10. श्रीमती घिसियावनी पुत्री सुखई पत्नी रामचरन साकिन ककराहव तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 11. श्रीमती सोमनी उर्फ करनी पुत्री सुखई पत्नी राम प्रसाद साकिन सोनबरसा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 12. झिन्ने पुत्र राममनोहर साकिन संग्रामपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 13. रशिम पुत्री कारू निवासी डिलिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

गार्ड की बंदूक अचानक चली गोली, एक घायल

संवाददाता–गोरखपुर। कुसम्ही बाजार में स्टेट बैंक के गार्ड द्वारा बंदूक साफ करते समय गोली चल गई, जिसमें एक स्थानीय ग्रामीण घायल हो गया। घटना शुक्रवार सुबह हुई जब गार्ड जालन्धर राजभर ने अपनी बंदूक की सफाई कर रहा था। कुसम्ही बाजार हिन्दुस्तान संवाद। एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही बाजार में स्टेट बैंक के गार्ड द्वारा बंदूक साफ करते समय शुक्रवार की सुबह लगभग सवा दस बजे अचानक गोली चल गई ।जिससे निकले छर्रे से एक स्थानीय ग्रामीण घायल हो गया। जानकारी के अनुसार पिपराईच थाना क्षेत्र के जंगल धुसड़ निवासी जालन्धर राजभर पुत्र जयराम राजभर कुसम्ही बाजार स्थित स्टेट बैंक में गॉर्ड है। शुक्रवार की सुबह ड्यूटी आने के बाद वह अपनी बंदूक की सफाई गोली लोड कर रहे थे कि अचानक बंदूक से गोली चल गई जिससे वहां अफरा तफरी मच गई। गोली से निकले उसका छर्रा थोड़ी दूर सड़क पार खड़े स्थानीय निवासी गणेश जायसवाल 45 वर्ष को जा लगा। इसमें वह घायल हो गए। आनन–फानन में उन्हें एम्स अस्पताल भेजा गया। सूचना पाकर मौके पहुची जगदीशपुर चौकी पुलिस ने गार्ड को हिरासत में लेकर अपने साथ एम्स थाने लेकर चली गयी।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com